

DPN 5861

Title : एकजटानाम धारणि EKA JATA NAMA DHARANĪ

Run. No. 6552

Cat. No.

Micro. No.

Subject धाणी Dhāṇi

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 x 7.5

Folios 20 Lines (in a page) 5

(missing 9, 12, 20)

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

गणेशरत्न शाक्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Prasanna Ratna Shakya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / smoky dark

Beginning, colophon, post-colophon :

१ अंशः श्री सर्वकुल कोटि लक्ष्मिः ॥ एहं मया श्रुत मेकास्मिन्समये भगवान् देवेषु

समाप्त / Colophon - इति आर्य श्री एकजटा नाम धाणी समाप्तः ॥ १

20

15

10

२ * महा २
उ नने श्री धक २ धवृ धक २ धन वि धन दम २ कं २ धं २ धं २ कं २ मं २ मं २ व २ भा २
म श्री वि श्री श्री वि श्री श्री काठ श्री काठ नर श्री वि १० श्री समय श्री समय महा
समय वरुनि वरुनि समय धन समया वना विनि श्री २ समय २ वरुनि विना ना
थ नाय किका म श्री काम नृय वि श्री वृद्ध महा र्यो धा वृद्ध वरुनि वि श्री वि वि ल म श्री विनि महा
सुय वि वरुनि निम मा वि दय द ल नि महा वि धा द्य द्य नि क रू य २ स र्वा ना न्ध ध य २ सक सा ग ना न्ध

5

ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं वि श्री रु वं क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं क कृ द दाय
क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं क कृ म न य क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं
का श्री गाय क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं म श्री म न य क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान
न मारु ग व रं व ल व दाय क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं व ल क ठ ना जा य क था ग ना या
ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं स म क र दाय क था ग ना या ह न स श्री कृ म दायान मारु ग व रं व ना व

0

5

10

15

20

नायकथागमायाहेनं समाकृष्टं यत्नमाह गवर्णविकसितकमलोत्पलगंधककुजाजायतभागवायाहक
 समस्तसुखाय ॥ ० ॥ नमो नमस्तुतां ॐ मां रुग्णविकसितकथागमाय प्रियमिना कयना नामाय वाजिनाय यमि
 नीयवकासि सर्वकलिकलहविग्रहविद्रादयममक्षां सर्वरुक्मयनिवाधधी सर्वयनविद्याद्वंदनी अकालम
 ययदिकायनी सर्वसत्त्वबंधनमाकृणी सर्वदृष्टदः स्वप्ननागनी यकजाक्रमयहाक्षां विधं सनकजी न
 रुक्मणीनी नायह सहसाक्षां विधं सनकजी अहर्दिगमिना नागक्रयाक्षां यसादनकजी सर्वधनुनिवाधनी

अहंतामहाक्षां विधं सनकजी धावदृष्टदृष्टनां वविनागनी विवगस्तु दकोत्साव ॥ गतिरुयाकाव
 धीरयावदृष्टकात्रमवधयत्रिणाक्षकजी अयवाजिनां महाधावां महावलां महारंजां महावधुं महासंतां महादा
 यां महामालां महाहालां महायधुववासिनी आर्यमाचारु कृटीवेवजयावविजयावथा सर्वमात्रविहकीचव
 रुमालविधुगायमाचारुविज्ञावमालावेवायवाजिनां वरुधुविभालीवशाकावेदहयुजिना सोपदृ
 यामहाक्षमाहालायधुववासिनी आर्यमाचारु महावला अयवावजभूयलावेववदकोमाजी कलंधवीचवदृह

15
10
सावद्विशाकाचनमालिका। कसुमनलाचनवेलाचनकुलपुशागथागककुलाश्रीवदियकविज्ञकमालिका
वदकनकयसालाचनवदकुश्रीवसगाचकमलाक्रीशीवदलाना। कथावदकनकाचकनीवदधनयिववदकय
लामहामायादवीचकनकयसालाचनश्वगाचकमलकृष्णाविनीमाशाकचिलावमासगुदाह्ननगीनियः
शा। ॐ ह्यमासहमडागक्षाः समारुगक्षाधुसवीवक्राकुवदुसमसर्वसत्वानां व॥ ॥ ॐ अथियक्षयमम
सर्वकथागकाश्रीवसिगागयवदुं कं कीं धूं कृष्णि। हूं कं कीं धूं कृष्णि। हूं कं कीं धूं कृष्णि। ॥ ॐ अथियक्षयमम

5
यनविद्याकृष्णकनी। हूं कं कीं धूं सर्वदुष्टकृष्णकनी। हूं कं कीं धूं सर्वविद्यादुदनकनी। हूं कं कीं धूं स
वदुष्टानां कृष्णकनी। हूं कं कीं धूं सर्वयकनाकसगदाक्षां विधंसनकचि। हूं कं कीं धूं वदुनगीनीनां यदुः
सहसाक्षां विधंसनकचि। हूं कं कीं धूं अष्टाविंशतीनां नकृष्णायासादनकनी। हूं कं कीं धूं अष्टाविंशतीनां नकृष्णा
क्षां विधंसनकचि। हूं कं कीं धूं वदुः ॥ ॐ सर्वसत्वानां वानमारुगवगिराधगकाश्रीवसिगागयवदुमहायद्यं म
नमहासहस्रकृष्णमहासहस्रगीभकादीनामसहस्रकृष्णकनी। हूं कं कीं धूं अष्टाविंशतीनां नकृष्णायासादनकनी। हूं कं कीं धूं अष्टाविंशतीनां नकृष्णा

15

रुद्रमहाकालाय रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय
 निस रुद्र आग्नीय रुद्र महाकालीय रुद्र कालदक्षिण रुद्र नेत्रीय रुद्र बोत्रीय रुद्र वामुत्रीय रुद्र वावाहीय रुद्र महा
 वावाहीय रुद्र कालवागीय रुद्र वागीय रुद्र यमदध्नीय रुद्र कायालीय रुद्र महाकायालीय रुद्र कोमालीय रुद्र
 द्यामीय रुद्र वायव्य रुद्र नैऋतीय रुद्र वनधीय रुद्र मानुकीय रुद्र माहामानुकीय रुद्र शोभ्य रुद्र नेत्र
 गानीय रुद्र युक्तीय रुद्र अथर्वणीय रुद्र भवनीय रुद्र कृष्णभवनीय रुद्र यमदूतीय रुद्र निगिदिवाय

10

5

वसुः रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय
 रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय
 मसर्वसत्वानां रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय
 रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय
 रुद्रमह गच्छ रुद्रमहामह गच्छ नमस्तु गाय रुद्र वसुवीय रुद्रमह ध्रुवीय रुद्र वक्राय

0 CMS.

5

10

15

20

15
 0
 10
 0
 5
 0
 5
 10
 15
 20
 25
 30
 35
 40
 45
 50
 55
 60
 65
 70
 75
 80
 85
 90
 95
 100
 105
 110
 115
 120
 125
 130
 135
 140
 145
 150
 155
 160
 165
 170
 175
 180
 185
 190
 195
 200
 205
 210
 215
 220
 225
 230
 235
 240
 245
 250
 255
 260
 265
 270
 275
 280
 285
 290
 295
 300
 305
 310
 315
 320
 325
 330
 335
 340
 345
 350
 355
 360
 365
 370
 375
 380
 385
 390
 395
 400
 405
 410
 415
 420
 425
 430
 435
 440
 445
 450
 455
 460
 465
 470
 475
 480
 485
 490
 495
 500
 505
 510
 515
 520
 525
 530
 535
 540
 545
 550
 555
 560
 565
 570
 575
 580
 585
 590
 595
 600
 605
 610
 615
 620
 625
 630
 635
 640
 645
 650
 655
 660
 665
 670
 675
 680
 685
 690
 695
 700
 705
 710
 715
 720
 725
 730
 735
 740
 745
 750
 755
 760
 765
 770
 775
 780
 785
 790
 795
 800
 805
 810
 815
 820
 825
 830
 835
 840
 845
 850
 855
 860
 865
 870
 875
 880
 885
 890
 895
 900
 905
 910
 915
 920
 925
 930
 935
 940
 945
 950
 955
 960
 965
 970
 975
 980
 985
 990
 995
 1000

कस्य च दवा वशास्तु आदं धी धाधि सत्व महासिका वकाजिर्महासत्वयश्च ना धा वनियत्थ कृष्ट नया धा वधां विधा म
या प्राप्ति सो गम मस्तु नं महा मुख मयं निधा स्ताद वरिज म्भुज स्या सु धा वना त्म वेधर्म स्तं आवृणास्तु धा मर्ध सु कृत्य
धु रूल मय गे नाय संसयः ॐ य महा नृणा वायं धा वनि सिनि मा नव वरु या धिय रु क था धा धि सत्व महा स
या ह यगी वाद यका धा वना या सु मा क व सर्व रु पू वा सु जि ना व मा या स्त्रि द वा क सः ना गा न धो य न द्या धा
रु धा वाने क वा व गाः वा क सा धे व वा व द्या व स न वि द ल या गाः ना य क या नि मा वा क रु कि न्यो मू वि वा मि नः क स्य

वकां निधा नि महासत्व स्य नित्यमः लोक या नाय क मज ध्रुवा वा ला ज का ॐ काः व मा विष्णु ध धन द आदि था ग द रं
रु कं कृ मा वा रु क ना थ ध या व ध कि स द व रु म्भुज स्या धा उ रु सत्व स्य क धृ स्तु ह स्तु गा वि वा क सि ना ना य व म व म
कि क द य नं नि वृ य द व म्भुज स्या सु या धू मा गे र्था रु रु वं व स नो न य रु रु क्क य र्थे सु स रु कं न द या य स्य क स्य वि
रुः व क य थो न का म रुं स र्द सि धि य द य कं गु व रु क य ध नि न सं रु क्ता इ य य क स र्व म का व था व मां धा व नि स
व सि धि दा म्भुज स्य रु रु म रं स र्व गे ला कं स व व व न रु क्ता वि द य का म कि रु रु वे ना धा व थ व न रु क स्य रु रु वि म

अथ स्वयं ध्यात्वा नमो लज्जि ह्वा यस्व सर्वस्वाना कदयनाम दाह वं ह्वा ॥ ६ ॥ नमो रुगवत आर्य उग्र ना वा दव
 एक रुदायान नम सर्व आ व क यत्य क वृद्ध आ धि स त्व का ध मा रु वृद्ध धर्म सं ध र्मा नमो रुगवत न य व म यु नू व म
 हा का नू नि का य गा क मू नि य न था ग ना आ ह न स म्मा कं वृद्धा य न म य था ॥ ७ ॥ उग्र २ म हा ॥ उग्र उग्र उग्र उग्र उग्र उग्र
 की र्णं एक रुग वं यि र्गा र्ग क रु गं उग्र
 क न ला य रि य व द र्भ न रु कू ट म सि म हा मू वि ह स २ म द २ म द ना रु कं स द ज न य व क व ध नी क वं द लि क व मा

ग वि क व का वि नि व म २ पु व नं २ पु व ना लू कं पु व नं ध नी वि क रु दं ध म हा ना म वा न इ का टि स का भ द ने न वि द्जि
 कं ला व ल स न स मा सि त रु व न वि क वा लि क कालि का न न व का व ला ह नि का व कं का व वि ध स न व रु म हा का व इ य
 धा वि नि म हा का वि स द म नि व ना वि व रु व ना वि य म व ना वि व का कं धा य नि व का व क वी धी य म हा म्मा ना न वा रि
 नि म हा का या लि नि म हा का व क या व धा लि नि मां स मा नि म द व मा व स र्ग मा नू या च या व रु स दि ल न व मि वा म द मा
 ना व व मि रु द ह म्वा स न कृ का क स न कृ का क कालि क का न क र्थ नि कृ का रु द ह म हा कालि २ म द म नि क व ना न ल

मा गे वक्तुं न दाकयेनि श्रे मा नयु न निशे आ उ क व सं क वि शे ला आ क ये नि स वे न था म न गु म ह द ये महा म डा वि
 श्चि क महा या य महा मा य मा या वि भा ही नि मा या जा न न य व न र वि व न २ सं व न २ ने आ उ क न म स्कु न व वि न भि क्क
 वह न य न महा क ल्या नि स नि रु वि न २ वि न स र्व ल के वि न स न मि क य न म म धु ल य डा कं ज नि ॥ ऊ हं व हं ॥ आव जां २१
 क म धा ने नि या भा स्त ८ ध नि यि य व रु य म महा स र्वे महा व रु ध न वृ यि नि ध र्म आ उ क्क न ग रु व म २ स र्व जा गि नी
 स र्व म धु ल य जि क का व र्गो मु क नि रु न व धु मु मा नि नि वि ध र्म रु वि आ उ क रु नि व य व २ व डा व यु धि क म

२१

रु कं व धु म धु ल म अ ग रु र ग अ नु ला मु न नो द य स नि रु अ व द म धु ना नु उ कालि ना न व रु स का व ग नि स र्व वि
 अ वि धं स नि रु ४ को ॥ अ स्या वि द्या रु महा स र्व म धु ल य जि क महा का व नि क रु कान व ल स व महा म जा न मा वि नि
 महा म रु र रु स र्व म डा वि द्या क ल्या र्थ स र्ज न नि व रु क ल्या य द म का वि नि महा म अ ग र स रु आ म म रु य रु ऊ म रु
 म रु सा कि मा रु य २ ना ग य २ द्या द म २ रु द्र य २ मा न य २ का द य २ रु क य २ वि धं य २ उ त्मा द य २ स र्व द्रु य रु
 सां रु ग व कि यि र्मा र्ग रु क ज डं हं हं हं हं २ न मा रु व र्मा रु म रु गि नि रु म रु वि रु क रु स र्व क था म रु स म या

ਓਕੁਤਾ ਨਾਮ ਅਨਧੀ